कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–106

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एस.के.सी.–106 : काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के पश्चात् उसके अंक दिये गये हैं।

(iii) हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में से किसी एक भाषा में प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

---

1. किसी एक शब्दशक्ति का विशद विवेचन कीजिए। 20

अथवा

रूपक के प्रकारों का विशद विवेचन कीजिए।

2. काव्यशास्त्र के और कौन-कौन से नाम प्रचलित हैं ? उनका वर्णन कीजिए। 20

अथवा

काव्य प्रयोजन मम्मटकृत, का विवेचन कीजिए।

3. गद्य काव्य का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

चम्पूकाव्य काव्य किसे कहते हैं ? विवेचन कीजिए

4. तात्पर्यावृत्ति को समझाइए। 10

अथवा

अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद को स्पष्ट कीजिए।

5. उत्प्रेक्षा अथवा अनुप्रास का लक्षण बताते हुए उदाहरण को स्पष्ट कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा अलंकार है लक्षण को बताते हुए स्पष्ट कीजिए : 10

स्वत्नेषु समरेषु त्वां विजयश्रीर्न मुञ्चति।
प्रभावप्रभवं कान्तं स्वाधीन पति का यथा॥

अथवा

पाण्डु क्षामं वदनं हृदयं सरसं तवालसं च वपुः।
आवेदयति नितान्तं क्षेत्रियरोगं सखि हृदन्तः॥

7. उपेन्द्रवज्रा अथवा मन्दाक्रान्ता छन्द का लक्षण बताते हुए उसके उदाहरण श्लोक को स्पष्ट कीजिए। 10

8. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा छन्द है उसका लक्षण बताते हुए स्पष्टीकरण दीजिए : 10

अभिमुखे मयि संहृतमीक्षितं,
हसितमन्यनिमित्त कृतोदयम्।
विनय वारित वृत्तिरतस्तया,
न विवृतो मदनो न च संवृतः॥

अथवा

अनाघातं पुष्पं किसलयमलूनं कररुहै
रनाविध्दं रत्नं मधु नवमनास्वादितरसम्।
अखण्डं पुण्यानां फलमिव च तद्रूपमनघं
न जाने भोक्तारं कमिह समुपस्थास्थति निधिः॥